ये अव्यक्त इशारे

जमा का खाता बढ़ाओ, बचत की स्कीम बनाओ

29-03-2023

जिनका सेवाकेन्द्र और सेवा निर्विघ्न हैं, जो स्वभाव-संस्कार के टक्कर से मुक्त हैं, उनकी सेवा का खाता जमा होता है। अगर कोई सेन्टर भी बढ़ाता जाये और माया भी बढ़ाता जाये तो ऐसी सेवा बाप के रजिस्टर में जमा नहीं होती है। कई सोचते हैं हम तो बहुत सेवा कर रहे हैं, नींद भी नहीं करते, खाना भी एक बार बनाके खा लेते -इतना बिजी रहते! लेकिन सेवा के साथ अगर माया में भी बिजी हैं, यह क्यों हुआ, यह कैसे हुआ, इसने क्यों किया, मैंने क्यों नहीं किया, मेरा हक, तेरा हक.... ऐसी सेवा का खाता जमा नहीं होता।

Increase the account of accumulation Make a savings scheme

Those whose service centre and service is free from obstacles, those who are free from the conflict of nature and sanskars are able to accumulate in their account of service. If a centre grows and at the same time, Maya also increases, then such service cannot be accumulated in the Father's register. Some think that they are doing a lot of service, that they don't even sleep, that they cook food only once and eat just that and remain so busy. But along with service, if you are busy with Maya thinking "What happened?", "How did this happen?", "Why did this one do this?", "Why didn't I do it?", "my right", "your right", such service cannot be accumulated.